अनुक्रम

नं.	विषय	पृष्ठ
१.	समर्पण	II
२.	अनुक्रम	III
३.	पुस्तक लेखक परिचय	
४.	आचार्य श्री विजयेंद्रदिन्न सूरि जीवन परिचय	
५.	प्रकाशकीय	
६.	प्रस्तावना	
७.	भूमिका	
१.	मगलाचरण	१
२.	श्रमण भगवान महावीर का जीवन परिचय	२
३.	२४वें तीर्थंकर का जन्म-जीवन-कुमारकाल	४
४.	राजकुमार वर्धमान महावीर का विवाह	५
५.	दीक्षा और तपस्या	८
६.	केवलज्ञान	१०
७.	धर्मोपदेश, तीर्थस्थापना, आगम रचना	११
८.	भगवान की वाणी पर आश्रित साहित्य	१३
९	महावीर के सिद्धातों की गरिमा	१४
१०	भगवान महावीर का निर्वाण	१५
११.	महावीर का संघ परिवार	२८
१२.	ज्योतिष और वर्धमान महावीर	२८
१३.	भगवान महावीर का जन्मस्थान क्षत्रियकुंड	३५
१४.	विदेशी विद्वानों की मान्यताएं	३६
१५.	हर्मन जेकोबी की मान्यता	३७
१६.	डा. हानेले की मान्यता	३९
१७.	पं. कल्याणविजय की मान्यता	४१
१८.	आ. विजयेन्द्र सूरि की मान्यता	४१
१९.	दिगम्बरों की मान्यता	४४
२०.	आगम एवं श्वेतांबर जैनों की मान्यता	४४
२१.	आधुनिक विद्वानों की मान्यताओं का सिंहावलोकन	४६
२२.	शोधकों की संखनलनाओं पर	४८
	१. साहित्यिक प्रसंग	
२३.	भगवान महावीर का गर्भ परावर्तन	
२४.	महारानी त्रिशला का दोहद	५१
२५.	महावीर जन्म-दिक्कुमारियों का आना	५२
२६.	आमलिकी क्रीड़ा	५८
२७.	कुंडग्राम में दीक्षाऐं	६२

२८. दिगम्बरों की जन्मस्थान मान्यता ६२
२९. इतिहासकारों की भ्रांत मान्यताएं ६६
३०. भ्रांत मान्यताओं की समीक्षा ६७
३१. पं. कल्याणविजय का मत ७६
३२. गंगापार ८१
३३. क्षत्रियकुंड और वैशाली के मुहल्ले ८३
३४. वैशाली के ग्राम ८६
३५. वैशाली का मानचित्र ८९
३६. आचार्य तुलसी एवं अन्य ९०
३७. डा. योगेन्द्र मिश्र ८९
३८. राहुल सांकृत्यायन एवं अन्य ९०
३९. महावीर के जन्मस्थान का साहित्य में परीक्षण ९१
४० (२) **भूतल विद्या** ९२
४१. (३) **इतिहास** ९२
४२. (४) **भाषाशास्त्र** ९३
४३ (५) **पुरातत्व** ९९
४४. बनिया, चक्रामदास, कोल्हुआ १००
४५ बौद्ध यात्रियों के कालमें वैशाली १०२
४६ उपर्युक्त संदर्भ में विचारणा १०३
४७. जैनशासन में स्तूपों का निर्माण १०४
४८. (६-७) **भूगोल और तर्क** १०६
४९ आर्यदेश नामावलि १०७
५०. विदेह की राजधानी वैशाली १०८
५१. वैशाली और बसाढ़, राजधानी कुंडपुर १०९
५२ क्षत्रियकुंड और नांदिया १११
५३. क्षत्रियकुंड और बसुकुंड ११२
५४. काकंदी ११५
५५. (८) **यात्री-यात्रीसंघ** १२०
५६ जन्मस्थान जाने के मार्ग १३४
५७ **परिशिष्ट १**—मगध और जैन
५८ मगध जैनधर्म की विशेषताएं और जैन संस्कृति १३६
५९ जैनधर्म एवं मगध १४२
६० **परिशिष्ट**—२ वैशाली गणतंत्र १४३
६१ महावीर वंश के साथ चेटक का संबंध १४४
६२ सानधर्म १४६
६३ वैशाली गणतंत्र का अंत १४८
६४ वैशाली पर आक्रमण का कारण १५०
६५ चेटक का राज्यों के साथ कौटुम्बिक संबंध १५०
६६ राज्यप्रणालियां १५१
६७. राजा उदायण १५१
६८ टिप्पणी (Footnotes) १५२